प्रकाशक की ओर से

बाराक ओबामा 4 नवंबर को एक ऐसी चुनावी प्रक्रिया में अमेरिका के राष्ट्रपति चुन लिए गए जिस पर भारत ही नहीं पूरी दुनिया की निगाह थी। इलिनॉय के पूर्व सेनेटर को यह विजय लगभग दो बरस तक चले अभियान के बाद हासिल हुई है।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने तुरंत एक लंबे राजनीतिक संक्रांति समय के दौरान अपना प्रशासन तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ओबामा और राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू.बुश मुलाकात कर चुके हैं और उनके सहयोगी मिलजुल कर काम कर रहे हैं जिससे कि 20 जनवरी 2009 की दोपहर को नए राष्ट्रपति का कार्यालय प्रारंभ होते ही नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और उनका नया मंत्रिमंडल सभी सूचनाओं से लैस हो और कामकाज शुरू करने के लिए तैयार रहे।

तब तक राष्ट्रपति बुश और उनका मंत्रिमंडल अमेरिकी सरकार का नेतृत्व करते रहेंगे। ओबामा ने प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अन्य विश्व नेताओं से संक्षिप्त बात की है लेकिन अमेरिका में ''छाया मंत्रिमंडल'' की परंपरा न होने के कारण वह अपना काफी समय अपना प्रबंधन दल चुनने और सलाहकारों के साथ अपनी प्राथमिकताओं की रूपरेखा नियत करने में जुटे हैं।

सभी अमेरिकी राष्ट्रपति इतिहास रचते हैं: ओबामा इस पद को प्राप्त करने वाले पहले अफ्रीकी-अमेरिकी हैं । राष्ट्र के संस्थापकों की आकांक्षाओं को पूरी तरह साकार करने के प्रयासों से जुड़े अमेरिका के लंबे इतिहास को देखते हुए ओबामा के चुने जाने के कारण अमेरिका में नस्लीय सम्बन्धों में एक बड़ा बदलाव आया है।

एरिक फ्रैंक्स/ द व्हाइट हाउस © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी

व्हाइट हाउस के ओवल कार्यालय में राष्ट्रपति जॉर्ज बुश और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति बाराक ओबामा।

4 नवम्बर को अपनी पराजय की स्वीकृति के शालीन सम्बोधन में ओबामा के चुनावी विरोधी, एरिज़ोना के सेनेटर जॉन मैक्केन ने इस ऐतिहासिक बदलाव की ओर ध्यान आकर्षित किया। मैक्केन जनवरी में सेनेट में अपना कामकाज फिर शुरू कर देंगे।

''बदलाव ओबामा के अभियान का प्रमुख नारा था लेकिन अपने विजय अभिभाषण में उन्होंने अमेरिका की उन चिरस्थायी दृढ़ताओं का भी उल्लेख किया जो ऐसी प्रगति को सम्भव बनाती हैं।'' ओबामा ने कहा, ''आज की रात हमने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि हमारे राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हमारे आदर्शों की सतत ताकत, लोकतंत्र, स्वतंत्रता, अवसर और अटूट आशा से आती है।''

स्पैन के इस अंक में हम संग्रहणीय शोध सन्दर्भ के रूप में उनके भाषण को संपूर्ण रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं और साथ ही संक्रांति अवधि और चुनाव के बारे में अन्य विवरण प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अंक में अमेरिका के 12 राष्ट्रपतियों के बारे में सचित्र जानकारी भी दे रहे हैं।

अन्य विशेष सामग्री में शाकाहारी अमेरिकियों द्वारा थैंक्सगिविंग, जिसे कभी-कभी टर्की डे भी कहा जाता है, मनाए जाने के बारे में जेन वार्नर मल्होत्रा का लेख शामिल है। कुछ शाकाहारी व्यंजनों की पाक विधियां भी प्रस्तुत हैं।

हर बरस इन दिनों अमेरिका के अधिकांश भागों में शरद ऋतु में पत्तियों का रंग बदलने का दौर चल रहा होता है। शरद ऋतु में अमेरिका के वन्य क्षेत्रों की यात्रा करने वालों की प्रतीक्षा कर रहे प्राकृतिक सौंदर्य और आतिथ्य के अपने अनुभव को शब्दों और चित्रों में प्रस्तुत कर रहे हैं एरिका ली नेल्सन और सेबास्तियन जॉन।

इस अंक के लेखों के बारे में हम आपकी राय जानना चाहेंगे। कृपया अपने विचार हमें editorspan@state.gov पर भेजें।